CHAPTER - 07	ह्रास, प्रावधान और संचय Depreciation, provision and Reserve

स्मरणीय तथ्य:

- **ह्रास** - स्थायी संपतियों के पुस्तक मूल्य मे स्थायी, सतत् एवं धीरे -धीरे होने वाली कमी को ह्रास कहते है |
- **उच्चावचन** -उच्चावचन से आशय चालू संपति के मूल्य में होने वाली एक अस्थायी परिवर्तन से है जो धनात्मक या ऋणात्मक दोनों हो सकता है |
- **प्रावधान-** यह भविष्य में अनिश्चित हानि या व्यय को पूरा करने के लिए अलग रखी गई अनुमानित राशि है।
- **संचय** - यह व्यवसाय की वितीय स्थिति को मजबूत करने और अप्रत्याशित नुकसान या दायित्व को पूरा करने के लिए अलग रखा गया लाभ का हिस्सा है।
- **गुप्त संचय** - गुप्त संचय से तात्पर्य अधिशेष लाभ को बनाए रखने से है जिसे आर्थिक चिट्ठे में नहीं दिखाया जाता है।
- **संपति के अवशिष्ट मूल्य** - संपति के जीवन काल के समाप्त होने पर उसे बेचकर जो मूल्य प्राप्त होता है वह उस संपति का अवशिष्ट मूल्य कहलाता है |
- **अप्रचलन-** स्थायी परिसम्पत्तियों के ह्रास का एक और तत्व अप्रचलन है। अप्रचलन का अर्थ है समयानुकूल न होना।
- **पूँजीगत संचय** - पूँजीगत प्राप्तियों से बने संचय पूँजीगत संचय कहलाते है|
- **विशिष्ट संचय-** वह संचय जिसका सृजन विशेष उद्देश्य के लिए किया जाता है|
- **परिशोधन** - ख्याति, कॉपीराइट और पेटेंट जैसी अमूर्त सम्पत्तियों के मूल्य में होने वाली कमी को परिशोधन कहा जाता है।

Memorable point :

- **Depreciation-** The permanent, continuous and gradual decrease in the book value of fixed assets is called depreciation.
- **Fluctuation-** Fluctuation refers to a temporary change in the value of a current asset which can be either positive or negative.
- **Provision-** It is an estimated amount set aside to meet uncertain future losses or expenses.
- **Reserve-** It is the part of profit set aside to strengthen the financial position of the business and to meet unexpected losses or liability.
- **Secret reserve-** Secret reserve refers to the retention of surplus profits which are not shown in the Balance sheet.
- **residual value of property-** The price received by selling an asset at the end of its life is called the residual value of that asset.
- **Obsolescence-** Another element of depreciation of fixed assets is obsolescence. Obsolescence means not being in keeping with the times.
- **Capital Reserves** - Reserves made from capital receipts are called capital reserves.
- **Special Reserve** - The reserve which is created for a special purpose.
- **Amortisation-** The reduction in the value of intangible assets such as goodwill, copyrights and patents is called amortisation.

बहुवैकल्पिक प्रश्न
(Multiple Choice Questions)

सही विकल्प का चयन करें (Select the correct alternative):

1. ह्रास है

a. व्यय   b. प्रावधान
c. आय   d. इनमें से कोई नहीं

Depreciation is an

a. Expense   b. Provision
c. Income   d. None of these

2. प्रावधान है :

a. लाभ में से नियोजन   b. लाभ पर प्रभार
c. बाह्य लेन-देन   d. इनमें से कोई नहीं

A Provision is :

a. An appropriation out of profits
b. Charge against profit
c. External transactions
d. None of these

3. पूँजीगत प्राप्तियों से बने संचयों को कहा जाता है

a. पूँजीगत संचय   b. संचय कोष
c. सामान्य संचय   d. इनमें से कोई भी नहीं

Reserves arising from capital receipts are known as :

a. Capital reserve   b. Reserve fund
c. General reserve   d. None of these

4. संचय कितने प्रकार के होते हैं ?

a. 2   b. 4
c. 3   d. 5

How many types of Reserve ?

a. 2   b. 4

c. 3 d. 5

5. लेखांकन प्रमाप-6 सम्बन्धित है–

a. आय कर के लिए लेखांकन
b. रहतिया का मूल्यांकन
c. ह्रास लेखांकन
d. पट्टा

Accounting Standard-6 is related to–

a. Accounting for Taxes on Income
b. Valuation of Inventory
c. Depreciation Accounting
d. Lease

6. एक मशीन को प्रत्येक वर्ष ₹1,000 से ह्रासित किया जाता है तो ह्रास की गणना हेतु किस विधि का प्रयोग किया जाता है ?

a. मूल्य ह्रास विधि b. सरल रेखा विधि
c. वार्षिकी पद्धति d. इनमें से कोई नहीं

The machinery is depreciated by ₹ 1,000 every year. Which method is being used to calculate depreciation ?

a. Written down value method
b. Straight line method
c. Annuity method
d. None of these

7. ह्रास नहीं लगाया जाता है

a. मशीन b. ख्याति
c. भवन d. फर्नीचर

Depreciation is not charged on ?

a. Machinery
b. Goodwill
c. Building
d. Furniture

8. अप्राप्य ऋणों के लिए आयोजन .....खाते को क्रेडिट कर के किया जाता है।

a. व्यापारिक खाता
b. लाभ-हानि खाता
c. देनदार खाता
d. अप्राप्य ऋणों के लिए आयोजन खाता

The provision for bad debts is made by

a. Trading Account
b. Profit and Loss Account
c. Debtors Account
d. Provision for bad debts account

9. वर्ष के अंत में, मूल्यह्रास खाता स्थानांतरित कर दिया जाता है:

a. तुलन पत्र
b. व्यापारिक खाता
c. लाभ - हानि विनियोजन खाता
d. लाभ - हानि खाता

At the end of the year, the depreciation account is transferred to :

a. Balance sheet
b. Trading account
c. Profit & loss appropriation account
d. Profit & loss account

10. मूल्यह्रास का शुल्क लिया जाता है:

a. अचल मूर्त सम्पत्ति
b. वर्तमान सम्पत्ति
c. चालू और अचल सम्पत्ति दोनों
d. इनमे से कोई भी नहीं

Depreciation is charged on:

a. Fixed tangible assets
b. Current assets
c. Both current and fixed assets
d. None of the above

11. निम्नलिखित में से मूल्यह्रास की कौन सी विधि आयकर कानून द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है?

a. सीधी रेखा विधि
b. क्रमागत ह्रास विधि
c. a और b दोनों
d. इनमे से कोई भी नहीं

Which of the following methods of depreciation is not recognized by Income Tax Law?

a. Straight Line Method
b. Diminishing Balance Method
c. Both a and b
d. None of the Above

12. आयोजन का निर्माण है

a. ऐच्छिक b. अवैधानिक
c. आवश्यक d. अनावश्यक

Creation of provision is :

a. Voluntary b. Illegal
c. Necessary d. Unnecessary

13. विशिष्ट संचय वह संचय है जिसका सृजन किया जाता है

a. विशेष उद्देश्य के लिए
b. सामान्य उद्देश्य के लिए
c. गुप्त संचय के लिए
d. इनमें से किसी के लिए नहीं

Specific reserve is that reserve which is created for:

a. For Specific purpose

b. For General purpose
C. For Secret reserve
d. None of these

14. किस विधि के अन्तर्गत दर स्थिर रहती है जबकि ह्रास की राशि प्रतिवर्ष घटती जाती है ?
a. सरल रेखा पद्धति
b. क्रमागत ह्रास पद्धति
c. वार्षिकी पद्धति
d. उपरोक्त सभी

Under which method rate remains constant where as the amount of depreciation goes on decreasing from year to year ?
a. Straight line method
b. Written down value method
c. Annuity method
d. All the above

15. घटते हुए शेष विधि से ह्रास की गणना की जाती है
a. प्रारम्भिक लागत पर
b. घटते हुए मूल्य पर
c. बाजार मूल्य पर
d. औसत मूल्य पर

According to diminishing balance method depreciation is charged on :
a. Original cost
b. Written down value
c. Market value
d. Average cost

16. ह्रास है-
a. व्यक्तिगत खाता b. सम्पत्ति खाता
c. वास्तविक खाता d. नाममात्र खाता

Depreciation is a -
a. Personal A/c b. Asset A/c
c. Real A/c d. Nominal A/c

17. नए आविष्कार के कारण पुरानी मशीन का बेकार हो जाना कहलाता है
a. अप्रचलन b. टूट-फूट
c. अवक्षय d. परिशोधन

Discarding the old machinery due to a new invention is called ?
a. Obsolescence b. Wear and tear
c. Depletion d. Amortisation

18. ह्रास लगाया जाता है
a. चालू सम्पत्तियों पर b. अमूर्त सम्पत्तियों पर
c. स्थायी सम्पत्तियों पर d. कृत्रिम सम्पत्तियों पर

Depreciation in provided on :
a. Current Assets b. Intangible Assets
c. Fixed Assets d. Fictitious Assets

19. संचय का निर्माण किया जाता है -
a. अज्ञात दायित्वों के भुगतान के लिए
b. ज्ञात दायित्वों के भुगतान के लिए
c. दैनिक खर्चों के लिए
d. उपर्युक्त में से कोई नहीं

Reserve is created –
a. To pay off unknown liabilities
b. To pay off known liabilities
c. To meet daily expenses
d. None of the above

20. गुप्त संचय बनाया जाता है
a. अत्यधिक ह्रास लगाकर
b. पूँजीगत व्यय को लाभ-हानि खाते में डालकर
c. बिक्री को छुपाकर
d. उपरोक्त सभी

Secret Reserve is created by :
a. Writing off excessive depreciation
b. Charging capital expenditure to profit and loss account
c. Suppressing the sales
d. All of the above

21. आयगत संचय कितने प्रकार के होते हैं ?
a. 2 b. 8
c. 3 d. 6

How many types of Revenue Reserve ?
a. 2 b. 8
c. 3 d. 6

22. आयोजन का निर्माण किया जाता है–
a. अज्ञात दायित्वों के भुगतान के लिए
b. ज्ञात दायित्वों के भुगतान के लिए
c. दैनिक खर्चों के लिए
d. उपर्युक्त में से कोई नहीं

Provision is created–
a. To pay off unknown liabilities
b. To pay off known liabilities
c. To meet daily expenses
d. None of the above

23. ह्रास लगाने की विधि हैं-
a. स्थायी किस्त पद्धति b. वार्षिकी पद्धति
c. क्रमागत ह्रास पद्धति d. उपरोक्त सभी

The methods of charging depreciation are-
a. Fixed Instalment Method
b. Annuity Method

c. Diminished value Method
d. All of the above

24. मशीन पर ह्रास.....तिथि से शुरू हो जाता है।
a. इसकी क्रय
b. इसके उपयोग में लाये जाने की
c. इसकी स्थापना
d. इनमें से कोई नहीं

Depreciation on machine starts from the date
a. It is Purchased b. It is put to use
c. It is installed d. None of these

25. सामान्यत : ..... संचय लाभांश के नकद वितरण के लिए उपलब्ध नहीं होते हैं।
a. सामान्य संचय b. पूँजीगत संचय
c. गुप्त संचय d. इनमें से कोई नहीं

Usually reserves are not available for distribution as cash dividends.
a. General Reserve b. Capital Reserve
c. Secret Reserve d. None of these

26. ह्रास एक प्रक्रिया है
a. सम्पत्ति के मूल्यांकन
b. सम्पत्ति के सत्यापन
c. सम्पत्ति के मूल्य में कमी
d. सम्पत्ति के मूल्य में वृद्धि

Depreciation is the process of–
a. Asset Valuation
b. Verification of assets
c. Decreasing in the value of assets
d. Increasing in the value of asset

27. मैसर्स कमल के देनदार ₹25,000 हैं। वे अप्राप्य ऋण के ₹2,000 अपलिखित करते हैं तथा देनदारों पर संदिग्ध ऋणों के लिए 5% प्रावधान की व्यवस्था करते हैं । प्रावधान की राशि होगी ?
a. ₹1,250 b. ₹1,000
c. ₹1,400 d. ₹2,000

Sundry debtors of M/s Kamal amount to ₹22,000. They write off Bad debts ₹2,000 and provide for doubtful debts @ 5%. The amount of provision will be -
a. ₹1,250 b. ₹1,000
c. ₹1,400 d. ₹2,000

28. सचय का निर्माण है
a. ऐच्छिक b. अनिवार्य
c. अनुपयोगी d. इनमें से कोई नहीं

Creation of reserve is -
a. Discretionary b. Compulsory
c. Useless d. None of these

29. सम्पत्ति के विक्रय पर हानि की दशा में डेबिट किया जाता है
a. ह्रास खाता b. सम्पत्ति खाता
c. लाभ-हानि खाता d. विक्रय खाता

Loss on sale of asset is debited to-
a. Depreciation A/c b. Asset A/c
c. Profit & Loss A/c d. Sales A/c

30. मूर्त सम्पत्तियों के मूल्य में कमी को कहा जाता है।
(a) ह्रास (b) रिक्तीकरण
(c) प्रत्युत्सर्जन (d) उच्चावचन

Decrement in the value of tangible Assets is known as.
a. Depreciation b. Depletion
c. Amortisation d. Fluctuation

31. नाशवान या क्षयी सम्पत्तियों के मूल्य में कमी को कहा जाता है?
a. उच्चावचन b. प्रत्युत्सर्जन
c. रिक्तीकरण d. ह्रास

Decrement in the value of wasting assets is called?
a. Fluctuation b. Amortisation
c. Depletion d. Depreciation

32. संचय के प्रकार है -
a. प्रकट संचय b. गुप्त संचय
c. दोनों d. इनमें से कोई नहीं

The types of Reserve are -
a. Open Reserve b. Secret Reserve
c. Both d. None of these

33. 'प्रत्युत्सर्जन' शब्द का प्रयोग किया जाता है -
a. प्रतिलिप्याधिकार के संबंध में
b. व्यापार चिह्न के संबंध में
c. पेटेण्ट के संबंध में
d. उपरोक्त सभी

The word 'Amortisation' is used -
a. Regarding copyright
b. Regarding trade mark
c. Regarding patent
d. All of the above

34. ह्रास लगाने के मुख्य उद्देश्य है -
a. सही उत्पादन लागत ज्ञात करना
b. सही आय का निर्धारण
c. सही वित्तीय स्थिति का प्रदर्शन
d. उपरोक्त सभी

The main objectives of charging depreciation are -

a. Determining True Production Cost
b. Determination of true income
c. Demonstration of correct financial position
d. All of the above

35. यदि विक्रय मूल्य, शूद्ध मूल्य से कम हो तो अन्तर की राशि को माना जाता है -

a. लाभ b. हानि
c. खर्च d. इनमें से कोई नहीं

If the selling price is less than the net price then the amount of difference is considered-

a. Advantage b. Loss
c. Expense d. None of these

36. ह्रास लगाने का महत्व है-

a. आर्थिक स्थिति स्पष्ट करने के लिए
b. सम्पत्ति की पुनर्स्थापना के लिए
c. पूँजी के कम होने से बचाव के लिए
d. उपरोक्त सभी

The importance of charging depreciation is-

a. To clarify the economic situation
b. For restoration of property
c. To avoid depletion of capital
d. All of the above

37. ह्रास को प्रभावित करने वाले तत्व है-

a. सम्पत्ति का उपयोगी अनुमानित जीवन
b. सम्पत्ति के अप्रचलित होने की सम्भावना
c. सम्पत्ति का अवशिष्ट मूल्य
d. उपरोक्त सभी

The elements affecting depreciation are -

a. Estimated useful life of the asset
b. Potential for obsolescence of assets
c. Residual value of property
d. All of the above

38. अप्रचलन का मतलब मूल्य में.....के कारण कमी होना है |

a. बाजार मूल्य में स्थायी कमी
b. भौतिक टूट-फूट
c. समय की समाप्ति
d. खोज और आविष्कार

Obsolescence means decrease in value due to.....:

a. Permanent decline in market value
b. Wear and Tear
c. End of time
d. Discoveries and inventions

39. आयगत संचय के प्रकार हैं-

a. सामान्य संचय b. विशेष संचय
c. संचय कोष d. ये सभी

The types of revenue reserve are-

a. General Reserve b. Special Reserve
c. Reserve fund d. All of these

40. संचय बनाया जाता है -

a. लाभ से b. सम्पत्ति से
c. हानि से d. दायित्व से

Reserve is created from :

a. Profit b. Assets
c. Losses d. Liabilities

41. ह्रास है

a. नगद व्यय b. वित्तीय व्यय
c. गैर-नगद व्यय d. गैर-परिचालन व्यय

Depreciation is -

a. cash expenses
b. Financial expenses
c. Non-cash expenses
d. Non-operating expenses

42. कौन-से संचय को 'मुक्त संचय' के रूप में भी जानते हैं?

a. आयगत संचय b. पूँजीगत संचय
c. सामान्य संचय d. विशिष्ट संचय

Which Reserve is also known as 'Free Reserve' ?

a. Revenue Reserve b. Capital Reserve
c. General Reserve d. Special Reserve

43. स्थायी किस्त विधि में ह्रास निकाला जाता है

a. प्रारम्भिक शेष पर b. अन्तिम शेष पर
c. मूल लागत पर d. अवशिष्ट मूल्य पर

In Fixed Instalment Method depreciation is calculated on-

a. Opening Balance b. Closing Balance
c. Original Cost d. Scrap Value

44. मशीन पर ह्रास किस तिथि से शुरू होगा |

a. खरीदी गई तिथि से
b. इसे उपयोग मे लायी गई तिथि से
c. स्थापित तिथि से
d. इनमे से कोई नहीं

From what data will depreciation on the Machine begin?

a. From the purchase date
b. From the date it is put into use
c. From the established date
d. None of these

45. अप्रचलन का अर्थ मूल्य में कमी करना

a. बाजार मूल्य में कमी
b. भौतिक रूप से टूट-फूट
c. समय की समाप्ति
d. नव प्रवर्तन और आविष्कार

Obsolescence means decline in the value due to-

a. Decrease in market price
b. Physical wear and tear
c. end of time
d. Innovations and inventions

46. भूमि का उपयोगी जीवनकाल होती है

a. स्थिर b. असीमित
c. सीमित d. अस्थिर

The useful life of land is–

a. Constant b. Unlimited
c. Limited d. Inconstant

47. स्थायी प्रभाग विधि में ह्रास की राशि

a. घटती है b. स्थिर रहती है
c. बढ़ती है d. उपरोक्त सभी

Under Fixed Instalment Method amount of depreciation goes on-

a. Decreasing b. Constant
c. Increasing d. All of these

48. सम्पत्ति का मूल्य लागत घटाव अवशिष्ट मूल्य ÷ सम्पत्ति का अनुमानित उपयोगी जीवन =

a. ह्रास
b. हानि
c. सम्पत्ति के मूल्य में कमी
d. लाभ

Original cost of Assets less scrap value ÷ Estimated working life of Assets =

a. Depreciation
b. Loss
c. Decrease in the value of asset
d. Profit

49. लाभांश समकारी रिजर्व है:

a. विशिष्ट रिजर्व b. सामान्य रिजर्व
c. गुप्त रिजर्व d. इनमें से कोई नहीं

Dividend Equalization Reserve is :

a. Specific Reserve b. General Reserve
c. Secret Reserve d. None of these

50. अपलेखन का अर्थ अपलिखित करना है

a. रिक्तीकरण सम्पत्ति
b. बर्बाद होने वाली सम्पत्ति
c. अदृश्यमान सम्पत्ति
d. काल्पनिक सम्पत्ति

Amortisation refers to writing off-

a. Depleting assets b. Wasting assets
c. Intangible assets d. Fictitious assets

Answer :-

Q.No.	Ans.	Q.No.	Ans.	Q.No.	Ans.	Q.No.	Ans.
1	b	14	b	27	b	40	a
2	b	15	b	28	a	41	c
3	a	16	d	29	c	42	c
4	a	17	a	30	c	43	c
5	c	18	c	31	c	44	b
6	b	19	a	32	c	45	d
7	b	20	d	33	d	46	b
8	d	21	c	34	d	47	b
9	c	22	b	35	b	48	a
10	a	23	d	36	d	49	a
11	a	24	b	37	d	50	c
12	c	25	b	38	d		
13	a	26	c	39	d		

अति लघु उत्तरीय प्रश्न
(Very Short Answer Type Questions)

1. ह्रास क्या है ?

उत्तर- स्थायी संपतियों के पुस्तक मूल्य मे कमी स्थायी,सतत एवं धीरे -धीरे होने वाली कमी को ह्रास कहते है |

What is depreciation?

Ans- The permanent, continous and gradual decrease in the book value of Fixed Assets is called depreciation.

2. मूल्यह्रास की दो विशेषताएँ बताइए।

उत्तर- (i) यह स्थायी संपतियों के पुस्तक मूल्य मे कमी करता है।
(ii) यह एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।

Name two characteristics of depreciation.

Ans- (i) It reduces the book value of fixed assets.
(ii) It is a continuous process.

3. संचय कितने प्रकार के होते है ?

उत्तर- संचय दो प्रकार के होते है - (i) सामान्य संचय (ii) विशेष संचय

How many types of Reserve are there?

Ans- There are two types of Reserve - (i) General Reserve (ii) Special Reserve

4. मूल्यह्रास के दो कारण बताइये।

उत्तर- (i) क्षय एवं घिसावट
(ii) अप्रचलन

State two causes of depreciation.

Ans- (i) Decay and wear and tear (ii) obsolescence

5. प्रावधान के दो उदाहरण दीजिए।

उत्तर- मूल्यह्रास के लिए प्रावधान और आयकर के लिए प्रावधान।

Give two examples of provision.

Ans- Provision for depreciation and provision for income tax.

6. गुप्त संचय क्या है ?

उत्तर- गुप्त संचय से तात्पर्य अधिशेष लाभ को बनाए रखने से है जिसे आर्थिक चिट्ठे में नहीं दिखाया जाता है।

What is a secret reserve?

Ans- Secret reserve refers to the retention of surplus profits which are not shown in the Balance sheet.

7. ह्रास लगाने की किन्ही दो विधि का नाम बताइए |

उत्तर- (i) सीधी रेखा विधि
(ii) क्रमागत ह्रास विधि

Name any two methods of charging depreciation.

Ans- (i) Straight Line Method.
(ii) Diminishing Balance Method.

8. ह्रास लगाने की किस विधि में ह्रास की राशि एक समान रहती है ?

उत्तर- 'सीधी रेखा विधि' से ह्रास की गणना करने में ह्रास की राशि एक समान रहती है|

In which method does the amount of depreciation remain the same?

Ans- In calculating depreciation using 'straight line method', the amount of depreciation remains the same.

9. संचय क्या है?

उत्तर- यह व्यवसाय की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने और अप्रत्याशित नुकसान या दायित्व को पूरा करने के लिए अलग रखा गया लाभ का हिस्सा है।

What is reserve?

Ans- It is the part of profit set aside to strengthen the financial position of the business and to meet unforeseen losses or liability.

10. ह्रास लगाने की किस विधि में ह्रास की राशि घटती जाती है ?

उत्तर- 'क्रमागत ह्रास विधि' से ह्रास की गणना करने में ह्रास की राशि घटती जाती है|

In which method of charging depreciation the amount of depreciation decreases?

Ans- In calculating the depreciation using the 'Diminishing Balance method', the amount of depreciation keeps decreasing.

11. ह्रास लगाने के कोई दो उद्देश्य बताइए |

उत्तर- (i) सही आय की जानकारी प्राप्त करने के लिए |

(ii) संपति के पुनः स्थापन की व्यवस्था हेतु |

Mention any two purposes of charging depreciation.

Ans- (i) To get correct income information.

(ii) To arrange for restoration of property.

12. ह्रास को प्रभावित करने वाले किन्हीं दो तत्वों का नाम बताइए |

उत्तर- (i) संपति की कुल लागत |

(ii) संपति का प्रत्याशित उपयोगी जीवन काल |

Name any two elements affecting Depreciation.

Ans- (i) Total cost of the Assets.

(ii) Expected useful life of the Assets.

13. संपति के अवशिष्ट मूल्य से आप क्या समझते है |

उत्तर- संपति की जीवन काल के समाप्त होने पर उसे बेचकर जो मूल्य प्राप्त होता है वह उस संपति का अवशिष्ट मूल्य कहलाता है |

What do you understand about the residual value of property?

Ans- The price received by selling an asset at the end of its life is called the residual value of that asset.

14. उच्चावचन क्या है ?

उत्तर- उच्चावचन से आशय चालू संपति के मूल्य में होने वाला एक अस्थायी परिवर्तन से है जो धनात्मक या ऋणात्मक दोनों हो सकता है |

What is Fluctuation ?

Ans- Fluctuation refers to a temporary change in the value of a current asset which can be either positive or negative.

15. प्रावधान क्या है?

उत्तर- यह भविष्य में अनिश्चित हानि या व्यय को पूरा करने के लिए अलग रखी गई अनुमानित राशि है।

What is provision?

Ans- It is an estimated amount set aside to meet uncertain future losses or expenses.

16. परिशोधन क्या है?

उत्तर- ख्याति, कॉपीराइट और पेटेंट जैसी अमूर्त सम्पत्तियों के मूल्य में होने वाली कमी को परिशोधन कहा जाता है।

What is Amortisation?

Ans- The reduction in the value of intangible assets such as goodwill, copyrights and patents is called amortisation.

लघु उत्तरीय प्रश्न
(Short Answer Type Questions)

1. ह्रास क्या है ?

उत्तर- किसी भी कारण से किसी अचल सम्पत्ति के मूल्य में क्रमिक, स्थायी, निरंतर कमी को मूल्यह्रास कहा जाता है। मूल्यह्रास परिसंपत्ति के पुस्तक मूल्य को कम कर देता है। इसलिए यह एक व्यय है जिसे लाभ और हानि खाते या लाभ और हानि विवरण में दिखाया जाता है। मूल्यह्रास के कई कारण हैं, जैसे टूट-फूट, समय बीतना, अप्रचलन आदि। मूल्यह्रास योग्य संपत्तियों के उदाहरण हैं - मशीन, भवन, ट्रक, फर्नीचर आदि।

ह्रास की कुछ महत्वपूर्ण परिभाषाएँ इस प्रकार है -

इंस्टीट्यूट ऑफ कास्ट एण्ड मैनेजमेंट एकाऊंटिंग, लंदन (ICMA) के अनुसार "ह्रास पर परिसम्पत्ति के वास्तविक मूल्य में इसके उपयोग एवं/अथवा समय बीतने के कारण आई घटोत्तरी को कहते हैं। "

स्पाइसर व पेगलर के अनुसार, "मूल्य-ह्रास एक निश्चित समय में किसी भी कारण से सम्पत्ति के सार्थक जीवन की समाप्ति का माप है। "

What is Depreciation?

Ans- A gradual, permanent, continuous decrease in the value of a fixed asset due to any reason is called depreciation. Depreciation reduces the book value of the asset. Hence it is an expense which is charged to the profit and loss account or profit and loss statement. There are many reasons for depreciation, such as wear and tear, passage of time, obsolescence etc. Examples of depreciable assets are - machine, building, truck, furniture etc.

Some important definitions of depreciation are as follows -

According to the Institute of Cost and Management Accounting, London (ICMA), "Depreciation is the reduction in the original value of an asset due to its use and/or the passage of time."

According to Spicer and Pegler, "Depreciation is the measure of the end of the useful life of an asset for any reason over a period of time.

2. ह्रास की आवश्यकता को संक्षेप में बताइए ?

उत्तर- निम्नलिखित कारण से ह्रास लगाना आवश्यक हो जाता है -

(i) **आगम एवं लागत का मिलान -** स्थायी परिसम्पत्तियों को व्यवसाय में लाभ कमाने के उद्देश्य से ही प्रयोग किए जाते है और ह्रास के कारण संपति का मूल्य कम हो जाता है। इसीलिए ह्रास भी व्यवसाय के अन्य व्यय जैसे वेतन, भाड़ा, स्टेशनरी आदि के समान व्यय है। यह समान अवधि के आगम पर प्रभार होता है इसीलिए इन्हें साधारण रूप से समान्यतः मान्य लेखांकन सिद्धांतो का अनुकरण करते हुए शुद्ध लाभ निर्धारण से पूर्व घटाना अनिवार्य होता है।

(ii) **सही उत्पादन लागत ज्ञात करना-** सही उत्पादन लागत ज्ञात करने के लिए समुचित ह्रास की व्यवस्था करना आवश्यक है।

(iii) **सही आय का निर्धारण -** ह्रास एक प्रकार का व्यय है। सम्पत्ति के निरन्तर प्रयोग से इसके मूल्य में कमी आती है और इस कमी को प्रतिवर्ष के लिए आयोजन न किया जाये तो वस्तुओं की लाभ-हानि खाते में लिखना आवश्यक है अन्यथा सही उत्पादन लागत की जानकारी नहीं होगी ।

(iv) **आय-कर सम्बन्धी छूट प्राप्त करना-** भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत ह्रास के सम्बन्ध में कर-सम्बन्धी छूट प्राप्त करने के लिए ह्रास का आयोजन करना आवश्यक है। यदि ह्रास के लिए उचित प्रावधान न किया जाये तो लाभ अधिक होने पर अधिक आयकर देना पड़ेगा। अतः आयकर सम्बन्धी छूट प्राप्त करने के लिए ह्रास की व्यवस्था करना आवश्यक है |

Briefly explain the need for depreciation?

Ans- Depreciation becomes necessary due to the following reasons -

(i) **Matching of revenue and cost -** Fixed assets are used in business only for the purpose of earning profit and due to depreciation the value of the asset reduces. That is why depreciation is also an expense like other expenses of business like salaries, freight, stationery etc. This is a

charge on the income of the same period, hence it is mandatory to reduce it before determining the net profit by following the generally accepted accounting principles.

(ii) **To find out the correct production cost -** To find out the correct production cost, it is necessary to arrange for proper depreciation.

(iii) **Determination of true income -** Depreciation is a type of expense. Due to continuous use of the asset, its value decreases and if this decrease is not planned every year, then it is necessary to write the goods in the profit and loss account, otherwise the correct production cost will not be known.

(iv) **Getting income tax exemption -** Under the Indian Income Tax Act, 1961, it is necessary to organise depreciation to get tax exemption in relation to depreciation. If proper provision for depreciation is not made then more income tax will have to be paid if the profit is higher. Therefore, to get income tax exemption, it is necessary to make provision for depreciation.

3. ह्रास के क्या कारण हैं?

उत्तर-

(i) **क्षय एवं घिसावट अथवा समय की समाप्ति के कारण मूल्य में कमी-** क्षय एवं घिसावट का अर्थ है क्षमता में कमी एवं परिणामस्वरूप परिसम्पत्ति के मूल्य में गिरावट आना | क्षय एवं घिसावट के कारण संपति भौतिक रूप से नष्ट होने लगती है। कुछ परिसम्पत्तियाँ मात्र समय के व्यतीत होने के साथ नष्ट होती रहती हैं जबकि उनका कोई उपयोग नहीं किया जाता है। ऐसा विशेष रूप से मौसम, हवा, बारिश आदि प्रकृति की आपदाओं के प्रभाव से होता है।

(ii) **कानूनी अधिकार की समाप्ति-** व्यवसाय के लिए कुछ परिसम्पतियों का मूल्य उनको उपयोग करने का करार, पूर्व निश्चित समय की समाप्ति पर खत्म हो जाता हैं। ऐसी परिसम्पतियों के उदाहरण हैं - पेटेन्ट्स, कॉपीराइट, पट्टा आदि। व्यवसाय के लिए इनकी उपयोगिता उनको प्राप्त कानूनी समर्थन के हटते ही समाप्त हो जाती है।

(iii) **अप्रचलन-** स्थायी परिसम्पत्तियों के ह्रास का एक और तत्व अप्रचलन है। अप्रचलन का अर्थ है समयानुकूल न होना। अप्रचलन से अभिप्राय है तकनीकी परिवर्तन या उत्पादन पद्धतियों में सुधार के किसी परिसम्पत्ति का पुराना हो जाना या उससे श्रेष्ठ परिसम्पत्ति का उपलब्ध होना।

(iv) **असामान्य तत्व -** किसी भी परिसम्पत्ति की उपयोगिता में कमी कुछ असामान्य तत्वों के कारण भी होती है जैसे -आग से दुर्घटना, भूचाल, बाढ़ आदि।

(v) **संपति के बाजार मूल्य में गिरावट -** संपति के बाजार मूल्य में गिरावट के कारण उसके मूल्य में होने वाली कमी भी ह्रास का कारण है।

What are the causes of Depreciation?

Ans-

(i) **Decrease in value due to decay and wear and tear or lapse of time -** Decay and wear and tear means reduction in capacity and resulting fall in the value of the asset. Due to decay and wear and tear the property starts getting physically destroyed. Some assets simply deteriorate with the passage of time and are not used. This happens especially due to the effects of natural disasters like weather, wind, rain etc.

(ii) **Termination of legal rights -** The agreement to use the value of certain assets for business ends on the expiry of a predetermined period. Examples of such assets are patents, copyrights, leases etc. Their usefulness for business ends as soon as the legal support they receive is removed.

(iii) **Obsolescence -** Another element of depreciation of fixed assets is obsolescence. Obsolescence means not being in keeping with the times. Obsolescence means an asset becoming obsolete due to technological change or improvement in production methods or the availability of a better asset.

(iv) **Abnormal elements -** Reduction in utility of any asset also occurs due to some abnormal elements like fire, accident, earthquake, flood etc.

(v) **Decline in the market value of the property -** The decrease in the value of the property due to the fall in its market value is also a cause of depreciation.

4. ह्रास की गणना करने के लिए सीधी रेखा विधि एंव क्रमागत विधि में अन्तर्भेद कीजिए|

उत्तर- सीधी रेखा विधि एंव क्रमागत विधि में अंतर -

अंतर का आधार	सीधी रेखा विधि	क्रमागत विधि
i. ह्रास गणना का आधार	ह्रास की गणना संपति के मूल लागत पर की जाती है।	ह्रास की गणना संपति के घटते मूल्य पर की जाती है।
ii. ह्रास की राशि	सीधी रेखा विधि में ह्रास की राशि समान रहती है।	क्रमागत विधि में ह्रास की राशि घटती जाती है।
iii. अवशेष मूल्य	इसमें संपति का अवशेष मूल्य घट -घट कर शून्य हो जाता है।	इसमें संपति का अवशेष मूल्य घट -घट कर कभी भी शून्य नहीं होता है।
iv. आयकर कानून द्वारा मान्यता	इस विधि को आयकर कानून द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है।	यह विधि को आयकर कानून द्वारा मान्यता प्राप्त है।
v. सरल	यह विधि बहुत ही सरल है।	इस विधि अपेक्षाकृत कठिन है।
vi. ह्रास की दर	इस विधि में ह्रास की दर कम रखी जाती है।	इस विधि में ह्रास की दर ऊंची रखी जाती है।

Differentiate between straight line method and written down value method to calculate depreciation.

Ans: Difference between straight line method and written down value method -

Basis of difference	Straight line method	Written Down Value method
i. Basis of depreciation calculation	Depreciation is calculated on the original cost of the asset.	Depreciation is calculated on the decreasing value of the asset.
ii. amount of depreciation	In straight line method the amount of depreciation remains the same	In the written down value method the amount of depreciation keeps decreasing.
iii. Residual value	In this the scrap value of the property reduces to zero.	In this the scrap value of the property never decreases to zero.
iv. recognition by income tax law	This method is not recognized by the Income Tax Law.	This method is recognized by the Income Tax Law.
v. Simple	This method is very simple.	This method is relatively difficult.
vi. Rate of depreciation	In this method the rate of depreciation is kept low.	In this method the rate of depreciation is kept high.

5. आयगत संचय तथा पूँजीगत संचय में अन्तर कीजिए|

उत्तर- आयगत संचय तथा पूँजीगत संचय में अन्तर-

अंतर का आधार	आयगत संचय	पूँजीगत संचय
i. सृजन का स्रोत	इसका सृजन आयगत लाभ में से किया जाता है।	इसका सृजन पूँजीगत लाभ में से किया जाता है।
ii. उद्देश्य	आयगत संचय का सृजन वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए किया जाता है।	इसका सृजन कानूनी औपचारिकता को निभाने के लिए किया जाता है।
iii. लाभांश के लिए उपलब्ध	इसका उपयोग लाभांश वितरण के लिए किया जाता है।	इसका उपयोग लाभांश वितरण के लिए नहीं किया जाता है।
iv. उपयोग	आयगत संचय का उपयोग किसी भी उद्देश्य के लिए किया जा सकता है।	इसका उपयोग पूँजीगत हानियों को समाप्त करने या बोनस अंशों को जारी करने के लिए किया जाता है।

Differentiate between Revenue Reserve and Capital Reserve.

Ans- Difference between Revenue Reserve and Capital Reserve-

Basis of difference	Revenue Reserve	Capital Reserve
i. Source of creation	It is created out of revenue profit.	It is created out of capital gains.
ii. Objective	Revenue reserves are created to strengthen the financial position.	It is created to fulfil legal formalities.
iii. Available for dividends	It is used for dividend distribution.	It is not used for dividend distribution.
iv. Use	Revenue reserve can be used for any purpose.	It is used to offset capital losses or issue bonus shares.

6. गुप्त संचय की संकल्पना को समझाइए|

उत्तर- गुप्त संचय का आशय ऐसे संचय से है जो विद्यमान तो हो, लेकिन चिट्ठे प्रदर्शित न हो। नुकसान के समय में अधिक लाभ दिखाने के लिए गुप्त संचय को लाभ में मिला दिया जाता है। प्रबन्धक उचित से अधिक ह्रास लगाकर गुप्त संचय का सृजन करते हैं। इसे गुप्त संचय इसलिए कहा जाता है क्योंकि बाहर के अंश धारकों को इसका ज्ञान नहीं होता है।

एक व्यावसायिक फर्म के लिए भविष्य में होने वाले अप्रत्याशित खर्चे एवं हानियों से बचाव के लिए गुप्त संचय बनाया जाता है ताकि भविष्य में होने वाली किसी भी आकस्मिक आवश्यकता की पूर्ति की जा सके और व्यवसाय की साधारण वित्तिय स्थति को सुदृढ़ किया जा सके |

डी पौला के शब्दों में, "गुप्त संचय वह संचय है जिसे चिट्ठे में नहीं दिखाया जाता है जिसके फलस्वरूप व्यापार की आर्थिक स्थिति उस स्थिति की अपेक्षा कहीं अधिक बेहतर होती है जो चिट्ठे द्वारा प्रकट की जाती है।"

स्पाइसर एवं पैगलर के अनुसार, "गुप्त संचय से आशय ऐसे संचय से है जिसकी विद्यमानता अथवा राशि दोनों चिट्ठे में प्रकट नहीं किये जाते है |

गुप्त संचय अनेक उद्देश्य से किये जाते है -

i. संस्था की आन्तरिक स्थिति को मजबूत करना।
ii. कार्यशील पूँजी में वृद्धि करना।
iii. प्रबन्धकों एवं संचालकों की कमजोरियों को छिपाना।
iv. किसी आकस्मिक हानि को पूरा करना ।
v. लाभ तथा लाभाश में एकरूपता बनाये रखना।
vi. व्यापार के प्रतिद्वन्द्वी से संस्था की प्रगति छिपाना।

Explain the concept of secret reserve.

Ans- Secret reserve means such reserve which exists but is not shown in the balance sheet. In order to show more profit in times of shortage, the secret reserve is added to the profit. Managers create secret reserves by charging more depreciation than appropriate. This is called a secret reserve because outside shareholders do not know about it.

Secret reserves are created for a business firm to protect itself from unexpected expenses and losses in the future so that any unexpected need that may arise in the future can be met and the general financial position of the business can be strengthened.

In the words of De Paula, "Secret reserves are those reserves which are not shown in the balance sheet as a result of which the financial position of the business is much better than that which is revealed by the balance sheet.,

According to Spicer and Pegler, "Secret reserve means such reserve whose existence or amount are not disclosed in the balance sheet.

Secret reserve are done for many purposes -

i. Strengthening the internal position of the organisation.
ii. To increase working capital.
iii. Hiding the weaknesses of managers and operators.
iv. To meet any accidental loss.
v. Maintaining uniformity in profits and gains.
vi. Hiding the progress of the organisation from business competitors.

दीर्घ उ□रीय प्रश्न
(Long Answer Type Questions)

1. 01 अप्रैल, 2010 को बजरंग मार्बल्स ने 1,80,000 रु. की मशीन खरीदी तथा 10,000 रु. भाड़े पर एवं 10,000 रु. स्थापना पर व्यय किये। अनुमान लगाया गया कि इसका उपयोगी जीवन 10 वर्ष एवं 10 वर्ष की समाप्ति पर इसका अवशिष्ट मूल्य 20,000 रु. होगा।

On April 01, 2010, Bajrang Marbles purchased a Machine for Rs 1,80,000 and spent Rs 10,000 on its carriage and Rs 10,000 on its installation. It is estimated that its working life is 10 years and after 10 years its scrap value will be Rs 20,000.

(a) मूल्य ह्रास की सीधी रेखा विधि से पहले चार वर्षों का मशीन खाता एवं ह्रास खाता बनाइए। खाते प्रतिवर्ष 31 मार्च को बन्द किये जाते हैं।
Prepare Machine account and Depreciation account for the first four years by providing depreciation on straight line method. Accounts are closed on March 31st every year.

(b) सीधी रेखा विधि से ह्रास लगाकर प्रथम चार वर्षों के लिए मशीन खाता ह्रास खाता एवं ह्रास पर प्रावधान खाता (या संचित ह्रास खाता) बनाइए खाते प्रतिवर्ष 31 मार्च को बन्द किये जाते हैं।
Prepare Machine account, Depreciation account and Provision for depreciation account (or accumulated depreciation account) for the first four years by providing depreciation using straight line method accounts are closed on March 31 every year.

Ans-

(a)

Books of Bajrang Marbles
Machinery Account

Dr. **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount (Rs.)	Date	Particulars	J. F.	Amount ((Rs.)
2010				2011			
Apr.01	To Bank A/c		2,00,000	Mar.31	By Depreciation A/c		18,000
	(1,80,0000 + 20,000)				By Balance c/d		1,82,000
			2,00,000				2,00,000
2011				2012			
Apr.01	To Balance b/d		1,82,000	Mar.31	By Depreciation A/c		18,000
				Mar.31	By Balance c/d		1,64,000
			1,82,000				1,82,000
2012				2013			
Apr.01	To Balance b/d		1,64,000	Mar.31	By Depreciation A/c		18,000
				Mar.31	By Balance c/d		1,46,000
			1,64,000				1,64,000
2013				2014			
Apr.01	To Balance b/d		1,46,000	Mar.31	By Depreciation A/c		18,000
				Mar.31	By Balance c/d		1,28,000
			1,46,000				1,46,000

Working notes: Calculation of annual depreciation

$$\text{Depreciation (p.a.)} = \frac{\text{(Original cost – Scrap Value)}}{\text{Estimated Life of Asset (years)}}$$

$$= \frac{(1{,}80{,}000 + 10{,}000 + 10{,}000 - 20{,}000)}{10}$$

= ₹ 18,000 per annum

(a)

Depreciation Account

Dr. **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount (₹)	Date	Particulars	J.F.	Amount (₹)
2011				2011			
Mar.31	To Machinery A/c		18,000	Mar.31	By Profit and Loss A/c		18,000
			18,000				18,000
2012				2012			
Mar.31	To Machinery A/c		18,000	Mar.31	By Profit and Loss A/c		18,000
			18,000				18,000
2013				2013			
Mar.31	To Machinery A/c		18,000	Mar.31	By Profit and Loss A/c		18,000
			18,000				18,000
2014				2014			
Mar.31	To Machinery A/c		18,000	Mar.31	By Profit and Loss A/c		18,000
			18,000				18,000

(b)

Machinery Account

Dr. **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount (₹)	Date	Particulars	J.F.	Amount (₹)
2010				2011			
Apr. 01	To Bank A/c		2,00,000	Mar.31	By Balance c/d		2,00,000
			2,00,000				2,00,000
2011				2012			
Apr. 01	To Balance b/d		2,00,000	Mar.31	By Balance c/d		2,00,000

			2,00,000				2,00,000
2012				2013			
Apr. 01	To Balance b/d		2,00,000	Mar.31	By Balance c/d		2,00,000
			2,00,000				2,00,000
2013				2014			
Apr. 01	To Balance b/d		2,00,000	Mar.31	By Balance c/d		2,00,000
			2,00,000				2,00,000

Provision for Depreciation Account

Dr. **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount (₹)	Date	Particulars	J.F.	Amount (₹)
2011				**2011**			
Mar.31	To Balance c/d		18,000	Mar.31	By Depreciation A/c		18,000
			18,000				18,000
				2011			
				Apr.01	By Balance b/d		18,000
2012				2012			
Mar.31	To Balance c/d		36,000	Mar.31	By Depreciation A/c		18,000
			36,000				36,000
				2012			
				Apr.01	By Balance b/d		36,000
2013				2013			
Mar.31	To Balance c/d		54,000	Mar.31	By Depreciation A/c		18,000
			54,000				54,000
				2003			
				Apr.01	By Balance b/d		54,000
2014				2014			
Mar.31	To Balance c/d		72,000	Mar.31	By Depreciation A/c		18,000
			72,000				72,000

Depreciation Account

Dr. **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2011				2011			
Mar.31	To Provision for Depreciation A/c		18,000	Mar.31	By Profit and Loss A/c		18,000
			18,000				18,000
2012				2012			
Mar.31	To Provision for Depreciation A/c		18,000	Mar.31	By Profit and Loss A/c		18,000
			18,000				18,000
2013				2013			
Mar.31	To Provision for Depreciation A/c		18,000	Mar.31	By Profit and Loss A/c		18,000
			18,000				18,000
2014				2014			
Mar.31	To Provision for Depreciation A/c		18,000	Mar.31	By Profit and Loss A/c		18,000
			18,000				18,000

2. 01 जुलाई, 2010 को अशोक लि. ने 1,08,000 रु. की मशीन खरीदी एवं 12,000 रु. इसकी स्थापना पर खर्च किये। क्रय के समय अनुमान लगाया गया कि इसका सक्रिय वाणिज्यिक जीवन 12 वर्ष होगा एवं 12 वर्ष के पश्चात इसका अवशिष्ट मूल्य 12,000 रु. होगा।

अशोक लि. की लेखा पुस्तकों में प्रथम तीन वर्षों का मशीन खाता एवं ह्रास खाता बनाइए यदि ह्रास सीधी रेखा विधि से लगाया जा रहा हो।

On July 01, 2010, Ashok Ltd. Purchased a Machine for ₹ 1,08,000 and spent ₹ 12,000 on its installation. At the time of purchase it was estimated that the effective commercial life of the machine will be 12 years and after 12 years its salvage value will be ₹ 12,000.

Prepare machine account and depreciation Account in the books of Ashok Ltd. For the first three years, depreciation is written off according to the straight line method. The account is closed on December 31st, every year.

Ans-

Books of Ashok Ltd.

Machinery Account

Dr. **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount (₹)	Date	Particulars	J.F.	Amount (₹)
2010				2010			
Jul.01	To Bank A/c		1,20,000	Dec.31	By Depreciation A/c		4,500
				Dec.31	By Balance c/d		1,15,500
			1,20,000				1,20,000

2011				2011			
Jan.01	To Balance b/d		1,15,500	Dec.31	By Depreciation A/c		9,000
				Dec.31	By Balance c/d		1,06,500
			1,15,000				1,15,500
2012				2012			
Jan.01	To Balance b/d		1,06,500	Dec.31	By Depreciation A/c		9,000
				Dec.31	By Balance c/d		97,500
			1,06,500				1,06,500
2013							
Jan.01	To Balance b/d		97,500				

Depreciation Account

Dr. **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2010				2010			
Dec.31	To Machinery A/c		4,500	Dec.31	By Profit and Loss A/c		4,500
			4,500				4,500
2011				2011			
Dec.31	To Machinery A/c		9,000	Dec.31	By Profit and Loss A/c		9,000
			9,000				9,000
2012				2012			
Dec.31	To Machinery A/c		9,000	Dec.31	By Profit and Loss A/c		9,000
			9,000				9,000

Working Note:

Calculation of annual Depreciation

$$\text{Depreciation (p.a.)} = \frac{(1,08,000 + 12,000 - 12,000)}{12 \text{ years}}$$

$$= ₹\ 9,000 \text{ per annum}$$

3. रिलायंस लिमिटेड ने 01 अक्टूबर, 2011 को 56,000 रुपये में एक सेकेंड हैंड मशीन खरीदी और इसे चालू करने से पहले और स्थापना पर 28,000 रुपये खर्च किए। उम्मीद है कि 15 साल के उपयोगी जीवन के अंत में मशीन को 6,000 रुपये में बेचा जा सकता है। इसके अलावा 6,000 रुपये के अवशिष्ट मूल्य की वसूली के लिए 1,000 रुपये की अनुमानित लागत आने की उम्मीद है। निश्चित किस्त विधि द्वारा मूल्यह्रास चार्ज करने वाले पहले तीन वर्षों के लिए मशीन खाता और मूल्यह्रास खाते का प्रावधान तैयार करें। खाते हर साल 31 मार्च को बंद कर दिए जाते हैं।

Reliance Ltd. Purchased a second hand machine for ₹ 56,000 on October 01, 2011 and spent ₹28,000 on its overhaul and installation before putting it to operation. It is expected that the machine can be sold for ₹ 6,000 at the end of its useful life of 15 years. Moreover an estimated cost of ₹ 1,000 is expected to be incurred to recover the salvage value of ₹ 6,000. Prepare machine account and Provision for depreciation account for the first three years charging

depreciation by fixed Instalment Method. Accounts are closed on March 31, every year.

Ans-

In the Books of Reliance Ltd.

Machinery Account

Dr. **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount (₹)	Date	Particulars	J.F.	Amount (₹)
2011				2011			
Oct.01	To Bank A/c		84,000				
				Dec.31	By Balance c/d		84,000
			84,000				84,000
2012				2012			
Jan.01	To Balance b/d		84,000				
				Dec.31	By Balance c/d		84,000
			84,000				84,000
2013				2013			
Jan.01	To Balance b/d		84,000				
				Dec.31	By Balance c/d		84,000
			84,000				84,000

Provision for Depreciation Account

Dr. **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount (₹)	Date	Particulars	J.F.	Amount (₹)
				2011			
				Dec.31	By Depreciation A/c		1,316
2011							
Dec.31	To Balance c/d		1,316				
			1,316				1,316
				2012			
				Jan.01	By Balance b/d		1,316
2012				Dec.31	By Depreciation A/c		5,267
Dec.31	To Balance c/d		6,583				
			6,583				6,583
				2013			
				Jan.01	By Balance b/d		6,583
2013				Dec.31	By Depreciation A/c		5,267
Dec.31	To Balance c/d		11,850				
			11,850				11,850
				2014			
				Jan.01	By Balance b/d		11,850

Working Note:

Calculation of annual depreciation

$$\text{Depreciation (p.a.)} = \frac{(56{,}000 + 28{,}000 - 6{,}000 + 1{,}000)}{15 \text{ years}}$$

= ₹ 5,267 per annum

4. The following balances appear in the books of Crystal Ltd, on Jan 01, 2015

	₹
Machinery account on	15,00,000
Provision for depreciation account	5,50,000

On April 01, 2015 a machinery which was purchased on January 01, 2012 for ₹ 2,00,000 was sold for ₹ 75,000. A new machine was purchased on July 01, 2015 for ₹ 6,00,000. Depreciation is provided on machinery at 20% p.a. on Straight line method and books are closed on December 31 every year. Prepare the machinery account and provision for depreciation account for the year ending December 31, 2015.

01 जनवरी, 2015 को क्रिस्टल लिमिटेड की पुस्तकों में निम्नलिखित शेष दिखाई देते हैं

	₹
मशीनरी खाता चालू	15,00,000
मूल्यह्रास खाते के लिए प्रावधान	5,50,000

01 अप्रैल 2015 को एक मशीनरी जो 01 जनवरी 2012 को 2,00,000 रुपये में खरीदी गई थी, 75,000 रुपये में बेची गई थी। 01 जुलाई 2015 को 6,00,000 रुपये में एक नई मशीन खरीदी गई। मशीनरी पर 20% प्रति वर्ष की दर से मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है। सीधी रेखा पद्धति पर तथा पुस्तकें प्रत्येक वर्ष 31 दिसम्बर को बंद की जाती हैं। 31 दिसंबर 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए मशीनरी खाता और मूल्यह्रास खाते का प्रावधान तैयार करें।

Ans :

Machinery Account

Dr. **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2015				2015			
Jan.01	To Balance b/d		15,00,000	Apr.01	By Machinery Disposal A/c		2,00,000
	(13,00,000 + 2,00,000)						
Jul.01	To Bank A/c		6,00,000	Dec.31	By Balance c/d		19,00,000
			21,00,000				21,00,000

Provision for Depreciation Account

Dr. **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2015				2015			
Apr.01	To Machinery Disposal A/c		1,30,000	Jan.01	By Balance b/d		5,50,000
Dec.31	To Balance c/d		7,50,000	Apr.01	By Depreciation A/c		10,000
				Dec.31	By Depreciation A/c		
					(i) 2,60,000, (ii) 60,000		3,20,000
			8,80,000				8,80,000

Working Note:

Machine Sold on July 01, 2015

(i)	Years	Opening Balance		Depreciation		Closing Balance
	2012	2,00,000	–	40,000	=	1,60,000
	2013	1,60,000	–	40,000	=	1,20,000
	2014	1,20,000	–	40,000	=	80,000
	2015	80,000	–	10,000	=	70,000
		Accumulated Depreciation	=	1,30,000		

Value on April 01, 2015	=	**(70,000)**
***Less*: Sale**	=	**75,000**
Profit on sale of Machinery		**5,000**

Machinery Disposal Account

Dr. **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
2015				2015			
Apr.01	To Machinery A/c		2,00,000	Apr.01	By Provision for Depreciation A/c		1,30,000
Apr.01	To Profit and Loss A/c (Profit)		5,000	Apr.01	By Bank A/c		75,000
			2,05,000				2,05,000

5. एमएस. एक्सैल कम्प्यूटर्स की लेखा पुस्तकों में कम्प्यूटर्स खाते का 01 अप्रैल 2010 को 50,000 रु. का (मूल लागत 1,20,000 रु.) नाम शेष है। 01 जुलाई, 2010 को इसने 2,50,000 रु. का एक और कम्प्यूटर खरीदा। 01 जनवरी, 2011 को 30,000 रु. में एक और कम्प्यूटर खरीदा। 01 अप्रैल 2014 को 01 जुलाई, 2010 का कम्प्यूटर प्रचलन से बाहर होने के कारण 20,000 रु. में बेच दिया गया। 01 अगस्त, 2014 को 80,000 रु. पर IBM कम्प्यूटर का एक नवीन संस्करण खरीदा। एक्सैल कम्प्यूटर्स की पुस्तकों में वर्ष समाप्ति 31 मार्च, 2011, 2012, 2013, 2014 और 2015 को कम्प्यूटर खाता बनाइए । कम्प्यूटर पर 10% वार्षिक से सीधी रेखा विधि से ह्रास लगाया जा रहा है।

M/s. Excel Computers had a debit balance of ₹ 50,000 (original cost ₹ 1,20,000) in computers account on April 01, 2010. On July 01, 2010 it purchased another computer costing Rs 2,50,000. One more computer was purchased on January 01, 2011 for Rs 30,000. On April 01, 2014 the computer which was purchased on July 01, 2010 became obsolete and was sold for Rs 20,000. A new version of the IBM computer was purchased on August 01, 2014 for Rs 80,000. Show Computers account in the books of Excel Computers for the years ended on March 31 2011, 2012, 2013, 2014 and 2015. The computer is depreciated @10 p.a. on a straight line method basis.

Ans-

In the Books of M/s Excel Computers

Computer Account

Dr. **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount Rs	Date	Particulars	J.F.	Amount Rs
2010				2011			
Apr.01	To Balance b/d (i)		50,000	Mar.31	By Depreciation A/c		
Jul.01	To Bank A/c (ii)		2,50,000		(i) 12,000		
2011					(ii) 18,750		
Jan.01	To Bank A/c (iii)		30,000		(iii) 750		31,500
				Mar.31	By Balance c/d		
					(i) 38,000		
					(ii) 2,31,250		
					(iii) 29,250		2,98,500
			3,30,000				3,30,000
2011				2012			
Apr.01	To Balance b/d		2,98,500	Mar.31	By Depreciation A/c		
					(i) 12,000		
					(ii) 25,000		
					(iii) 3,000		40,000
				Mar.31	By Balance c/d		
					(i) 26,000		
					(ii) 2,06,250		
					(iii) 26,250		2,58,500
			2,98,500				2,98,500
2012				2013			
Apr.01	To Balance b/d		2,58,500	Mar.31	By Depreciation A/c		
					(i) 12,000		
					(ii) 25,000		
				Mar.31	(iii) 3,000		40,000
					By Balance c/d		
					(i) 14,000		
					(ii) 1,81,250		
					(iii) 23,250		2,18,500
			2,58,500				2,58,500
2013				2014			
Apr.01	To Balance b/d		2,18,500	Mar.31	By Depreciation A/c		
					(i) 12,000		
					(ii) 25,000		
					(iii) 3,000		40,000
				Mar.31	By Balance c/d		
					(i) 2,000		
					(ii) 1,56,250		
					(iii) 20,250		1,78,500
			2,18,500				2,18,500

2014				2014			
Apr.01	To Balance b/d		1,78,500	Apr.01	By Bank A/c (ii)		20,000
				Apr.01	Profit and Loss A/c (Loss)		1,36,250
				2015			
Aug.01	To Bank A/c (iv)		80,000	Mar.31	By Depreciation A/c		
					(i) 2,000		
					(iii) 3,000		
					(iv) 5,333		10,333
				Mar.31	By Balance c/d		
					(iii) 17,250		
					(iv) 74,667		91,917
			2,58,500				2,58,500

6. कैरेज ट्रांसपोर्ट कम्पनी ने 1 अप्रैल, 2011 को 2,00,000 प्रति ट्रक से 5 ट्रक खरीदे कम्पनी 20% वार्षिक से मूल लागत पर ह्रास लगाती है तथा लेखा पुस्तकों को प्रतिवर्ष 31 दिसम्बर को बंद करती है। 1 अक्टूबर, 2013 को एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त होकर पूरी तरह से नष्ट हो गया। बीमा कम्पनी दावे को पूरा चुकता करते हुए 70,000 रु. देने को सहमत हुई उसी तिथि का कम्पनी ने 1,00,000 रु. में एक और पुराना ट्रक खरीदा तथा उसके कायाकल्प पर 20,000 रु. व्यय किये। 31 दिसम्बर,2013 को समाप्त हो रहे तीन वर्षों के लिए ट्रक खाता एवं ट्रक पर ह्रास प्रावधान खाता बनाइए।

यदि ट्रक निपटान खाता बनाया जा रहा हो तो ट्रक खाता भी बनाइए।

Carriage Transport Company purchased 5 trucks at the cost of Rs 2,00,000 each on April 01, 2011. The company writes off depreciation @ 20% p.a. on original cost and closes its books on December 31, every year. On October 01, 2013, one of the trucks was involved in an accident and was completely destroyed. Insurance company has agreed to pay Rs 70,000 in full settlement of the claim. On the same date the company purchased a second hand truck for Rs 1,00,000 and spent Rs 20,000 on its overhauling. Prepare truck account and provision for depreciation account for the three years ended on December 31, 2013. Also give a truck account if the truck disposal account is prepared.

Ans-

In the Books of Carriage Transport Company

Truck Account

Dr. **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount Rs	Date	Particulars	J.F.	Amount Rs
2011				2011			
Apr.01	To Bank A/c		10,00,000	Dec.31	By Balance c/d		10,00,000
			10,00,000				10,00,000
2012				2012			
Jan.01	To Balance b/d		10,00,000	Dec.31	By Balance c/d		10,00,000
			10,00,000				10,00,000
2013				2013			
Jan.01	To Balance b/d		10,00,000	Oct.01	By Truck Disposal A/c		2,00,000
Oct.01	To Bank A/c		1,20,000	Dec.31	By Balance c/d		9,20,000
			11,20,000				11,20,000

Provision for Depreciation Account

Dr. **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount Rs	Date	Particulars	J.F.	Amount Rs
2011				2011			
Dec.31	To Balance c/d		1,50,000	Dec.31	By Depreciation A/c		1,50,000
			1,50,000				1,50,000
2012				2012			
Dec.31	To Balance c/d		3,50,000	Jan.01	By Balance b/d		1,50,000
				Dec.31	By Depreciation A/c		2,00,000
			3,50,000				3,50,000
2013				2013			
Oct.01	To Truck Disposal		1,00,000	Jan.01	By Balance b/d		3,50,000
Oct.01	To Balance c/d		4,46,000	Oct.01	By Depreciation A/c (9 Months)		30,000
				Dec.31	By Depreciation A/c		
					(1,60,000 + 6,000)		1,66,000
			5,46,000				5,46,000

Truck Disposal Account

Dr. **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount Rs	Date	Particulars	J.F.	Amount Rs
2013				2013			
Oct.01	To Truck A/c		2,00,000	Oct.01	By Provision for Depreciation A/c		1,00,000
				Oct.01	By Insurance Co. (Insurance Claim)		70,000
				Oct.01	By Profit and Loss A/c (Loss)		30,000
			2,00,000				2,00,000

Working Note:

Truck involved in accident

	Opening Balance		Depreciation		Closing Balance
Apr.01, 2011	**2,00,000**	**–**	**30,000**	**=**	**1,70,000**
Jan.01, 2012	**1,70,000**	**–**	**40,000**	**=**	**1,30,000**
Jan.01, 2013	**1,30,000**	**–**	**30,000**	**=**	**1,00,000**
	Accumulated Depreciation	**=**	**1,00,000**		

Value on Oct.01, 2013	**=**	**1,00,000**
Less: Insurance Claim	**=**	**70,000**
Loss on Accident		**30,000**

7. On July 01, 2011 Ashwani purchased a machine for Rs 2,00,000 on credit. Installation expenses Rs 25,000 are paid by cheque. The estimated life is 5 years and its scrap value after 5 years will be Rs 20,000. Depreciation is to be charged on a straight line basis. Show the journal entry for the year 2011 and prepare necessary ledger accounts for the first three years.

01 जुलाई 2011 को अश्वनी ने 2,00,000 रुपये उधार लेकर एक मशीन खरीदी। स्थापना व्यय 25,000 रुपये का भुगतान चेक द्वारा किया जाता है। अनुमानित जीवन 5 वर्ष है और 5 वर्ष के बाद इसका अवशिष्ट मूल्य 20,000 रुपये होगा। मूल्यह्रास को सीधी रेखा के आधार पर वसूला जाना है। वर्ष 2011 के लिए जर्नल प्रविष्टि दिखाएँ और पहले तीन वर्षों के लिए आवश्यक खाता बही तैयार करें।

Ans-

Books of Ashwani
Journal

Date	Particulars	L.F.	Debit Amount (Rs)	Credit Amount (Rs)
2011				
Jul.01	Machinery A/c..... Dr.		2,25,000	
	To Creditors for Machinery A/c			2,00,000
	To Bank A/c			25,000
	(Machinery bought on credit and Rs 25,000 paid for installation through cheque)			
2011				
Dec.31	Depreciation A/c..... Dr.		20,500	
	To Machinery A/c			20,500
	(Depreciation charged on Machinery)			
2011				
Dec.31	Profit and Loss A/c..... Dr.		20,500	
	To Depreciation A/c			20,500
	(Depreciation transferred to Profit and Loss Account)			
2012				
Dec.31	Depreciation A/c..... Dr.		41,000	
	To Machinery A/c			41,000
	(Depreciation charged on Machinery)			
2012				
Dec.31	Profit and Loss A/c..... Dr.		41,000	
	To Depreciation A/c			41,000
	(Depreciation transferred to Profit and Loss Account)			
2013				
Dec.31	Depreciation A/c..... Dr.		41,000	
	To Machinery A/c			41,000
	(Depreciation charged on Machinery)			
2013				
Dec.31	Profit and Loss A/c..... Dr.		41,000	
	To Depreciation A/c			41,000
	(Depreciation transferred to Profit and Loss Account)			

Ledger

Machinery Account

Dr. **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount Rs	Date	Particulars	J.F.	Amount Rs
2011				2011			
Jul.01	To Creditors for Machinery A/c		2,00,000	Dec.31	By Depreciation A/c		20,500
Jul.01	To Bank A/c		25,000	Dec.31	By Balance c/d		2,04,500
			2,25,000				2,25,000
2012				2012			
Jan.01	To Balance b/d		2,04,500	Dec.31	By Depreciation A/c		41,000
				Dec.31	By Balance c/d		1,63,500
			2,04,500				2,04,500
2013				2013			
Jan.01	To Balance b/d		1,63,500	Dec.31	By Depreciation A/c		41,000
				Dec.31	By Balance c/d		1,22,500
			1,63,500				1,63,500

Working Note:

Calculation of annual depreciation

$$\text{Depreciation (p.a.)} = \frac{(2,00,000 + 25,000 - 20,000)}{5}$$

$$= \text{Rs } 41,000 \text{ per annum}$$

8. लक्ष्मी ट्रांसपोर्ट लि. ने 1 अक्टूबर, 2010 को 8,00,000 रु. में एक ट्रक खरीदा। इसे ट्रक पर 15% वार्षिक से ह्रास मान शेष पद्धति से ह्रास लगाया गया। 31 दिसम्बर, 2013 को इस ट्रक को 5,00,000 रु. में बेच दिया गया। खाते प्रतिवर्ष 31 मार्च को बन्द किये जाते हैं। चार वर्ष के लिए ट्रक खाता बनाइए ।

On October 01, 2010, a Truck was purchased for Rs 8,00,000 by Laxmi Transport Ltd. Depreciation was provided at 15% p.a. on the diminishing balance basis on this truck. On December 31, 2013 this Truck was sold for Rs 5,00,000. Accounts are closed on 31st March every year. Prepare a Truck Account for the four years

Ans-

In the Books of Laxmi Transport Ltd.

Truck Account

Dr. **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount Rs	Date	Particulars	J.F.	Amount Rs
2010				2011			
Oct.01	To Bank A/c		8,00,000	Mar.31	By Depreciation A/c		60,000
				Mar.31	By Balance c/d		7,40,000
			8,00,000				8,00,000

2011				2012			
Apr.01	To Balance b/d		7,40,000	Mar.31	By Depreciation A/c		1,11,000
				Mar.31	By Balance c/d		6,29,000
			7,40,000				7,40,000
2012				2013			
Apr.01	To Balance b/d		6,29,000	Mar.31	By Depreciation A/c		94,350
				Mar.31	By Balance c/d		5,34,650
			6,29,000				6,29,000
2013				2013			
Apr.01	To Balance b/d		5,34,650	Dec.31	By Depreciation A/c (9 months)		60,148
Dec.31	To Profit and Loss (Profit)		25,498	Dec.31	By Bank		5,00,000
			5,60,148				5,60,148

9. कपिल लि. ने 01 जुलाई, 2011 को 3,50,000 रु. की एक मशीन खरीदी 01 अप्रैल, 2012 एवं 01 अक्टूबर, 2012 को इसने क्रमशः 1,50,000 रु. तथा 1,00,000 रु. की दो और मशीनें खरीदीं। ह्रास 10% वार्षिक से सीधी रेखा विधि से लगाना है। 01 जनवरी, 2013 को तकनीक में परिवर्तन के कारण पहली मशीन अनुपयोगी हो गई। इस मशीन को 1,00,000 रु. में बेच दिया गया। कलेंडर वर्ष के आधार पर प्रथम 4 वर्षों के लिए मशीन खाता बनाइए ।

Kapil Ltd. purchased machinery on July 01, 2011 for Rs 3,50,000. It purchased two additional machines, on April 01, 2012 costing Rs 1,50,000 and on October 01, 2012 costing Rs 1,00,000. Depreciation is provided @10% p.a. on straight line basis. On January 01, 2013, the first machinery became useless due to technical changes. This machinery was sold for Rs 1,00,000 prepare machinery accounts for 4 years on the basis of calendar year.

Ans:

In the Books of Kapil Ltd.

Machinery Account

Dr. **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount Rs	Date	Particulars	J.F.	Amount Rs
2011				2011			
Jul.01	To Bank A/c (M-I)		3,50,000	Dec.31	By Depreciation A/c (6 months)		17,500
				Dec.31	By Balance c/d		3,32,500
			3,50,000				3,50,000
2012				2012			
Jan.01	To Balance b/d		3,32,500	Dec.31	By Depreciation A/c		
Apr.01	To Bank A/c (M-II)		1,50,000		M-I (12 months) 35,000		
					M-II (9 months) 11,250		
Oct.01	To Bank A/c (M-III)		1,00,000		M-III (3 months) 2,500		48,750
				Dec.31	By Balance c/d		
					M-I 2,97,500		
					M-II 1,38,750		
					M-III 97,500		5,33,750
			5,82,500				5,82,500

2013					2013				
Jan.01	To Balance b/d				Jan.01	By Bank A/c (M-I)			1,00,000
	M-I	2,97,500			Jan.01	By Profit and Loss A/c (Loss)			1,97,500
	M-II	1,38,750			Dec.31	By Depreciation A/c			
	M-III	97,500		5,33,750		M-II	15,000		
						M-III	10,000		25,000
					Dec.31	By Balance c/d			
						M-II	1,23,750		
						M-III	87,500		2,11,250
				5,33,750					5,33,750
2014					2014				
Jan.01	To Balance b/d				Dec.31	By Depreciation A/c			
	M-II	1,23,750				M-II	15,000		
	M-III	87,500		2,11,250		M-III	10,000		25,000
					Dec.31	By Balance c/d			
						M-II	1,08,750		1,86,250
				2,11,250		M-III	77,500		2,11,250
2015									
Jan.01	To Balance b/d			1,86,250					

10. सतकार ट्रांसपोर्ट लि. ने 10,00,000 प्रति बस ने हिसाब से 01 जनवरी, 2011 को तीन बसें खीरीदी। 01 जुलाई, 2013 को एक बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई तथा पूरी तरह से नष्ट हो गई। बीमा कम्पनी से हिसाब चुकता के एवज में रु. 7,00,000 प्राप्त हुए। ह्रास 15% वार्षिक से क्रमागत पद्धति से लगाया जाना है। 2011 से 2014 तक का बस खाता बनाइए। लेखा पुस्तकें प्रतिवर्ष 31 दिसम्बर को बन्द की जाती हैं।

On January 01, 2011, Satkar Transport Ltd, purchased 3 buses for Rs 10,00,000 each. On July 01, 2013, one bus was involved in an accident and was completely destroyed and Rs 7,00,000 were received from the Insurance Company in full settlement. Depreciation is written off @15% p.a. on diminishing balance method. Prepare a bus account from 2011 to 2014. Books are closed on December 31 every year.

Ans-

In the Books of Satkar Transport Ltd.

Bus Account

Dr. **Cr.**

Date	Particulars	J.F.	Amount Rs	Date	Particulars	J.F.	Amount Rs
2011				2011			
Jan.01	To Bank A/c		30,00,000	Dec.31	By Depreciation A/c		4,50,000
				Dec.31	By Balance c/d		25,50,000
			30,00,000				30,00,000
2012				2012			
Jan.01	To Balance b/d		25,50,000	Dec.31	By Depreciation A/c		3,82,500
				Dec.31	By Balance c/d		21,67,500

			25,50,000				25,50,000
2013				2013			
Jan.01	To Balance b/d		21,67,500	July.01	By Depreciation A/c (Bus 1)		54,187
July.01	To Profit and Loss A/c (Profit)		31,687	July.01	By Insurance Co. (Insurance claim)		7,00,000
				Dec.31	By Depreciation A/c (Bus 2, 3)		2,16,750
				Dec.31	By Balance c/d		12,28,250
			21,99,187				21,99,187
2014				2014			
Jan.01	To Balance b/d		12,28,250	Dec.31	By Depreciation A/c		1,84,237
				Dec.31	By Balance c/d		10,44,013
			12,28,250				12,28,250

Working Notes :

Calculation of Profit or Loss on sale of Bus.

	Rs.
Purchase Price	10,00,000
Less : Depreciation @15% (31-12-2011)	1,50,000
	8,50,000
Less : Depreciation @15% (31-12-2012)	1,27,500
	7,22,500
Less : Depreciation @15% (01-07-2013) (for 6 months	54,187
	6,68,313
Less : Insurance Claim Received (01-07-2013)	7,00,000
Profit on sale of Bus.	31,687